उत्तराखण्ड मुक्त विष्वविद्यालय, हल्द्वानी
महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ: दिसम्बर, 2018

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के विशेष शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 3/12/2018 को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस का आयोजन विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रोफेसर एच पी शुक्ल निदेशक शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा, प्रोफेसर आर सी मिश्रा, प्रोफेसर पी डी पन्त, प्रोफेसर गिरजा पांडे, कुलसचिव भरत सिंह रावत एवं सक्षम संस्था के प्रांतीय मंत्री ललित पन्त द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया |

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर एच पी शुक्ल द्वारा दिव्यांगों के हितार्थ समाज को करने का अनुरोध किया गया साथ ही समाज के लोगों से अपेक्षा की गई उनकी लाचारी पर दया भाव ना दिखा कर उनके सशक्तिकरण का प्रयास करना होगा | साथ ही उन्होंने दिव्यांग जनों को अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहने की अपेक्षा की और साथ ही अपने कर्तव्य के पालन में दिव्यान्गता आड़े ना आने की प्रशंसा भी की| डॉ कल्पना लखेड़ा द्वारा विश्व दिव्यांग दिवस की संकल्पना के बारे में एक रूपरेखा प्रस्तुत की गई और इस दिवस को मनाने का उद्देश्य बताया | कार्यक्रम के अतिथि सक्षम संस्था के प्रांतीय मंत्री श्री ललित पन्त ने अपने उद्बोधन में आश्वासन दिया कि राज्य सरकार द्वारा दिव्यांग जनों के लिए उनके अधिकारों के लिए पूर्ण सहयोग दिया

विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के कार्ययक्रम में उपस्थित कुलसचिव, शिक्षक एवं अन्य

जाएगा | शासन स्तर पर उनकी मांगों का निराकरण यथाशीघ्र करने का विश्वास दिलाया | प्रोफेसर आर सी मिश्र द्वारा दिव्यांग जनों के लिए अधिकाधिक मौके दिए जाने की पैरवी की की गई | प्रोफेसर पी डी पन्त द्वारा परीक्षा केंद्रों पर विश्वविद्यालय द्वारा दिव्यांगों हेतु बाधा रहित वातावरण विश्वविद्यालय द्वारा दिए जाने की जानकारी प्रदान की गई | साथ ही यूजीसी द्वारा समय-समय पर दिव्यांगजनों से संबंधित गाइडलाइनों का अनुपालन विश्वविद्यालय की परीक्षा में किये जाने की जानकारी उन्होंने प्रदान की | प्रोफेसर गिरजा पांडे द्वारा दिव्यान्गों के पुनर्जागरण की आवश्यकता पर बल दिया | उन्होंने कहा कि समाज और सरकार को साथ-साथ इस जिम्मेदारी को उठाने का समय आ गया है| दिव्यांगों की शिक्षा और रोजगार पर कार्य करने की जिम्मेदारी का वहन दोनों मिलकर करें|

श्रीमती मनीषा पंत द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया | कार्यक्रम में विश्वविद्यालय में कार्यरत दिव्यांग श्री बालम दफौटी - कंप्यूटर साइंस विभाग, श्री दिनेश पाल सिंह-विद्युत कर्मी, सुश्री निर्मला कुमारी – हेल्प डेस्क, का पुष्प गुच्छ, शॉल एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया | कार्यक्रम में निर्मला कुमारी द्वारा व्हील चेयर डांस द्वारा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया| कार्यक्रम का संचालन कर रहे हैं विशेष शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉक्टर सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा विभिन्न दिव्यांगों द्वारा अपने क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के संस्मरण से लोगों को अवगत कराया और अपेक्षा की कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय समय-समय पर विज्ञान शिक्षा से संबंधित पाठ्यक्रमों में दिव्यांगों की सहभागिता सुनिश्चित करेगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री भरत सिंह रावत ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि उत्तराखंड मुक्त विद्यालय शीघ्र ही मानसिक मंदता एवं अधिगम अक्षमता में B.Ed पाठ्यक्रम प्रारंभ करेगा और विश्वविद्यालय द्वारा प्रयास किया जाएगा कि राज्य स्तरीय विकलांग पुनर्वास केंद्र की स्थापना विश्वविद्यालय सरकार के माध्यम से अपने परिसर में स्थापित करेगा | कार्यक्रम में डॉक्टर सीता, डॉ० सूर्यभान

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के कार्यक्रम में कुलसचिव श्री भरत सिंह रावत धन्यवाद ज्ञापित करते हुए

सिंह, डॉ० राजेंद्र कैड़ा, डॉ० ममता कुमारी, डॉ० मंजरी अग्रवाल, दीपिका रैक्वाल तथा मरियम B.Ed कॉलेज की शिक्षिका डॉ उमा एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे |

डिजिटल साक्षरता हेतु विश्वविद्यालय का योगदान (निशुल्क ऑनलाई कोर्स)

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर (CEMCA), नई दिल्ली के सहयोग से उच्च शिक्षा की चुनौतियों का समाधान करने एवं सतत विकास के लिए आईसीटी के माध्यम से "एकीकृत मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल)" नामक एक 3 साल की परियोजना चला रहा है।

2017-18 में निम्नलिखित पाठ्यक्रम विकसित किए गए थे। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले इन मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम में नामांकित सभी शिक्षार्थियों की संख्या का उल्लेख पाठ्यक्रम नाम के साथ किया गया है।

a. Introduction to Information Technology- 1864 learners
b. Tools for Office Automation- 582+ 433=1015 learners
c. Introduction to DTP- 458 learners
d. Fundamentals of Information Security- 556 learners
e. Cyber Security Techniques- 509 learners
f. Cyber Attacks and Counter Measures User Perspective- 193 learners
g. Information System- 258 learners

Total Enrollments: 4853

वर्तमान वर्ष (2018-19) में निम्नलिखित कार्यक्रमों को तैयार किया गया:

a. Programming in C
b. Introduction to Networking and Web Programming
c. Database Management System
d. Introduction to Yog

निम्नलिखित विशेषज्ञों की सेवाओं का उपयोग सामग्री विकास और वीडियो व्याख्यान की रिकॉर्डिंग के लिए किया गया था:

a. Er. Darpan Anand- Anand Engineering College, Agra
b. Er. Jayash Sharma - Anand Engineering College, Agra

c. Dr. Jeetendra Pande- Uttarakhand Open University, Haldwani
d. Dr. Mukesh Sarashwar- JPIT, Noida
e. Dr. Mukesh Joshi- Amrapali Institute of Management and Computer Applications, Haldwani
f. Dr. Nitin Deepak- Amrapali Institute of Management and Computer Applications, Haldwani

कार्यक्रम उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के elearning पोर्टल elearning.uou.ac.in पर उपलब्ध हैं और वीडियो व्याख्यान UOULIVE नाम से विश्वविद्यालय के Youtube चैनल में भी उपलब्ध हैं। अब तक 27 वीडियो व्याख्यान रिकॉर्ड किए गए और अपलोड किए गए हैं और 12 मॉड्यूल वाले कोर्स elearning पोर्टल में उपलब्ध है। अतिरिक्त व्याख्यान और अध्ययन सामग्री विकसित की जा रही है और फरवरी, 2019 के पहले सप्ताह तक तैयार हो जाएगी।

विशिष्ट शिक्षा का संवर्द्धन

केन्द्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के द्वारा साहिया ब्लाक के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत लगभग 60 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को विभिन्न विकलांगताओं यथा मानसिक मंदता, नेत्रहीनता, मूक-बधिर एवं पढने में अक्षमता से ग्रसित बच्चों हेतु विशिष्ट शिक्षा के प्रति एवं निशक्तजनों के पुनर्वास एवं रोजगार सम्बन्धी प्रावधानों व केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी के प्रति जागरूक करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन सरदार महिपाल राजेंद्र स्नातक महाविद्यालय में दिनाँक 10-12 दिसमबर, 2018 को आयोजित की गयी|

कार्यशाला में प्रतिभाग करते शिक्षक

कार्यशाला का उद्घाटन श्री कलम सिंह चौहान, उपनिदेशक, सूचना विभाग महाविद्यालय के अध्यक्ष श्री अनिल तोमर एवं और उत्तराखंड मुक्त

विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने दीप प्रज्ज्वलन करके किया|

उद्घाटन सत्र में अपने संबोधन में श्री कलम सिंह चौहान जी ने दिव्यांग लोगों को समाज की मुख्य धारा मे जोडने पर बल दिया ओर उनको अपने अधिकारो के प्रति सचेत रहने की बात कही |और कार्यशाला में आये प्रतिभागियों से अपेक्षा की कि वे दिव्यान्गता के विषय में जों कुछ भी जानकारी प्राप्त करके जाएँ उसे अपने कार्यक्षेत्र में प्रयोग में लाकर | श्री अनिल तोमर ने अपने संबोधन में दिव्यांगों समाज का ही भाग बताते हुये उनको भी सम्मान देने पर बल दिया | कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने कार्यशाला के विषय, रूपरेखा एवं महत्व पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश जौनसार के साहिया ब्लाक के ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को विकलांग बच्चों एवं निशक्तजनों के लिए क़ानूनी प्रावधान,विशिष्ट शिक्षा का प्रबंध, उनमे विकलांगता की पहचान करना एवं सामान्य विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के अंतर्गत उनको प्रवेश देना उनके शैक्षिक अधिकारों ,पुनर्वास सम्बन्धी अधिकारों एवं नई तकनीकियों के माध्यम से शिक्षण एवं केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी देना है| ओर दिव्यांगों को तकनीकी प्रशिक्षण की जानकारी मुहैया करानी है।

प्रतिभागियों में अध्यापक करिश्मा व विवेक ने अपेक्षा की कि इस कार्यशाला के द्वारा से शिक्षकों को दिव्यांग बच्चों को सामान्य विद्यालयों में पढ़ाने से सम्बंधित तकनीकी के प्रशिक्षण का लाभ मिलेगा| और उनके पठन पाठन से सम्बंधित विभिन्न जानकारी का लाभ वो ले सकेंगे|

कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में श्रीमती सुनीता सैनी ने प्रतिभागियों को विकलांगता को परिभाषित करते हुए इसके प्रकारों एवं विकलांगता के प्रति बनी अवधारणाओं कों स्पष्ट किया| श्री अनंत मेहरा ने भारतीय पुनर्वास परिषद् एक्ट १९९२ के बारे में विस्तार से बताया| डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी और समावेशी शिक्षा के

संप्रत्यय से प्रतिभागियों को अवगत कराने के साथ ही दिव्यांग-जन अधिनियम बताया| श्रीमती कृष्णा द्वारा विकलांगता को पहचानने सम्बन्धी वैज्ञानिक विधियों, उनका कारण, एवं शीघ्र हस्तक्षेपन के विषय में बताया| नीतू दुबे के द्वारा सांकेतिक भाषा के विषय में बताया गया|

कार्यशाला के दूसरे दिवस दिनाँक 11/12/2018 को कार्यशाला के दूसरे दिवस के सत्रों में विषय विशेषज्ञ अनंत मेहरा द्वारा विकलांगता के हस्तक्षेपन में कार्य करने वाले विशेषज्ञों की भूमिका और उत्तरदायित्वों के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की|विषय विशेषज्ञा सुनीता सैनी ने प्रतिभागियों को विकलांगता के कारण बच्चों में होने वाली मानसिक बीमारी, उसका मनोसामाजिक प्रभाव के विषय में बताया नेत्रहीन बच्चों के लिए ब्रेल लिपि के विषय में बताया| कृष्णा द्वारा द्वारा मूक बधिर व्यक्ति और बच्चों को Sign language (प्रतीकों के माध्यम अथवा इशारों द्वारा भाषा की अभिव्यक्ति) से अध्यापन की विधि बताई और उनका अभ्यास कार्यशाला के प्रतिभागियों को उनका अभ्यास करवाया| नीतू दुबे ने समावेशी शिक्षा के सन्दर्भ में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी साथ ही निशक्तजन के लिए बाधा रहित पर्यावरण निर्माण एवं रोजगार सर्जन के विषय में बतलाया| कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने विशिष्ट शिक्षा एवं आर.टी.ई. एक्ट के विषय में बताया|

कार्यशाला के तृतीय दिवस दिनाँक 12/12/2018 के तकनीकी सत्रों में विषय विशेषज्ञ सुनीता सैनी ने बाधा रहित वातावरण, समावेशन के विषय पर जानकारी दी और विकलांगता का परिवार पर पड़ने वाले प्रभाव को बताया|साथ ही विकलांग बच्चों के चिन्हीकरण, शैक्षिक पुनर्वास एवं उपचारार्थ हेतु शीघ्र हस्तक्षेपन केन्द्र (Early Intervention Centre) के विषय में बताया| डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल द्वारा कार्यशाला के प्रतिभागियों को राष्ट्रीय न्यास के द्वारा चलायी जा

रही योजनाओं एवं UNCRPD के विषय में जानकारी दी | अनंत मेहरा ने केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों को दी जा रहे लाभों एवं सुविधाओं की जानकारी दी| नीतू दुबे द्वारा शिक्षण एवं कौशल प्रशिक्षण की योजनाओं, राष्ट्रीय विकलांग वित्त विकास निगम के विषय में बताया| कृष्णा ने विकलांग एवं निशक्तजनों हेतु उपलब्ध रोजगार एवं नौकरियों की जानकारी के विषय में बताया| क़ानूनी रूप से रोजगार के प्रावधानो कों स्पष्ट किया|

कार्यशाला के समापन सत्र में डीडी शिक्षा सोसाइटी के अध्यक्ष श्री जितेंदर यादव, सरदार महिपाल राजेंद्र स्नातक महाविध्यालय के एम.डी. सरदार सिंह तोमर ,प्राचार्य डॉ. रेनु गुप्ता दिव्यांग सलाहकार बोर्ड के अनंत मेहरा, एवं अनिल तोमर ने कार्यशाला में आये प्रतिभागियों को प्रतिभाग का प्रमाण पत्र प्रदान किया| इससे पूर्व अपने संबोधन में श्री जितेंदर यादव द्वारा अपने संबोधन में शिक्षा के माध्यम से समाज के हर वर्ग का उतथान किया जा सकता है दिव्यांगजनों को शिक्षा के साथ जोड कर आर्थिक एव्म सामजिक रूप से मजबूत किया जा सकता है और इस प्रकार के प्रशिक्षण शिक्षकों एव्म दिव्यांगो के लिए लाभकारी होते हैं| प्रशिक्षण प्राप्ति के पश्चात् उनका क्रियान्वयन अधिक महत्वपूर्ण है| महाविध्यालय के एम.डी. सरदार सिंह तोमर ने अपने संबोधन में इस कार्यशाला कों जौनसार क्षेत्र के लिए हितकारी बताया और साथ ही उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय से अपेक्षा की कि जौनसार क्षेत्र में इस प्रकार की कार्यशाला कों अधिकाधिक कराने की आवश्यकता पर बल दिया| प्राचार्य डॉ. रेनु गुप्ता ने अपने उद्बोधन में दिव्यांग बच्चो के शिक्षण से सम्बंधित कार्यशाला का महाविद्यालय मे कराने के साथ ही क्षेत्र के लिए भी गर्व की बात है| दिव्यांग बच्चों को स्नेह के साथ ही उनके शिक्षा एवं रोजगार की जानकारी शिक्षक एवं अभिभावक दोनों कों होनी चाहिये और इस प्रकार की कार्यशाला बहुउपयोगी होती हैं| अनिल तोमर ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय,

हल्द्वानी और भारतीय पुनर्वास परिषद्, नई दिल्ली द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों की सराहना की और इस प्रकार के आयोजन को दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों के लिए आवश्यक बताया|

कार्यक्रम के अंत में कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने आमंत्रित मुख्य अतिथि, विषय विशेषज्ञों एवं साहिया ब्लाक के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया|

परीक्षा

- विश्वविद्यालय की पीएच0 डी0 प्रवेश परीक्षा दिनांक 02/12/2018 को परीक्षा केन्द्र एम0बी0पी0जी0 स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हल्द्वानी में आयोजित कराई गई जिसमें कुल 269 विद्यार्थी सम्मिलित हुए।
- विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा दिसम्बर-2018 की परीक्षाओं के सफल संचालन हेतु विश्वविद्यालय व क्षेत्रीय स्त्र से औचक निरीक्षण टीमों द्वारा कार्य किया जा रहा है।
- दिनांक 22 दिसम्बर 2018 तक सम्पन्न परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाएं विश्वविद्यालय लाने हेतु दो-दो सदस्यों की 07 टीमें परीक्षा केन्द्रों को भेजी गई। उत्तर पुस्तिका प्राप्ति उपरांत उत्तर पुस्तिका छठनी व मूल्यांकन कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है। अन्तिम दिवस 04 जनवरी 2019 तक सम्पन्न होने के पश्चात् परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाएं वि0वि0 लाने हेतु दिनांक 04 जनवरी को दो-दो सदस्यों की 09 टीमें वि0वि0 से प्रस्थान करेंगी।
- प्रयोगात्मक/मौखिक परीक्षाओं के अंकों की प्रविष्टि का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है तथा दिसम्बर 2018 की परीक्षा से संबंधित परीक्षार्थियों के सत्रीय कार्य एस0आई0एस0 लिंक में प्रविष्टि किये जाने हेतु क्षेत्रीय कार्यालय सहित समस्त अध्ययन केन्द्रों को सूचना प्रेषित कर दी गई है।

- दिसम्बर माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 80 मूल उपाधियॉ 117 अन्तरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाणपत्र /सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

प्रवेश

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली से नए पाठयक्रमों की मान्यता के संबंध में प्राप्त निर्देश के क्रम में जो कि पूर्व में आवेदित 24 पाठयक्रमों के अपील से संबंधित है, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 16 नवम्बर 2108 को प्रत्यावेदन प्रस्तुत किया गया | इस प्रत्यावेदन के क्रम में दूरस्थ ब्यूरो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के 15 महत्वपूर्ण पाठयक्रमों को अकादमिक सत्र जनवरी 2019 से संचालित करने की मान्यता प्रदान की गई है| इस तरह विश्वविद्यालय के 38 पाठयक्रमों को दूरस्थ ब्यूरो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्रदान की गई है | शीघ्र ही विश्वविद्यालय द्वारा नवीन स्वीकृत पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू की जाएगी तथा शेष पाठयक्रमों की मान्यता के लिए दूरस्थ ब्यूरो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली को प्रत्यावेदन किया जायेगा |

हैलो हल्द्वानी से दिसम्बर माह में प्रसारित कार्यक्रम

- प्रोग्राम- मुलाकात, अतिथि- मुनीश भारद्वाज (फिल्म डायरेक्टर), वार्ताकार- भूपेन सिंह
- वार्ता का विषय- फिल्मों का बदलता ट्रेंड
- प्रोग्राम- यंग हल्द्वानी, अतिथि- रफत अब्बास (फिल्म डायरेक्टर), वार्ताकार- अनिल नैलवाल, वार्ता का विषय- फिल्मों की उत्तराखंड मे संभावनाएं
- प्रोग्राम-आधी आबादी, अतिथि- नया गांव रेडियो क्लब की महिलाएं, वार्ताकार- सुनीता भास्कर एवं विनीता पाठक, वार्ता का विषय- क्षेत्र की समस्याएं|
- प्रोग्राम- मुलाकात, अतिथि- पूरन सिंह बिष्ट(शिक्षक), वार्ताकार- भूपेन सिंह,

- वार्ता का विषय- बेसिक शिक्षा की चुनौतियां
- प्रोग्राम- मुलाकात, अतिथि- अभय डालाकोटी(फिल्म एक्टर), वार्ताकार- अनिल नैलवाल,
- वार्ता का विषय- एक्टर होने की चुनौतियां
- प्रोग्राम- आधी आबादी, अतिथि- ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण लेने वाली महिलाएं (शिक्षक), वार्ताकार- सुनीता भास्कर व विनीता पाठक
- वार्ता का विषय- पार्लर प्रशिक्षण के प्रति महिलाओं के क्रेज का कारण
- प्रोग्राम- चर्चा में, अतिथि- अमित कुमार (बैंक मैनेजर), वार्ताकार- सुनीता भास्कर,
- वार्ता का विषय- बेसिक शिक्षा की चुनौतियां
- प्रोग्राम- मुलाकात, अतिथि- विश्व बंधु पांडे (शिक्षक), वार्ताकार- अनिल नैलवाल,
- वार्ता का विषय- बेसिक शिक्षा की चुनौतियां
- प्रोग्राम- डिजीटल दुनिया, अतिथि- अनिल बहुगुणा(साइबर विशेषज्ञ), वार्ताकार- सुनीता भास्कर, वार्ता का विषय- एनपीटीएल पर चर्चा
- वार्ता का विषय- मूक (आनलाइन एजुकेशन प्लेटफार्म) पर परिचर्चा
- प्रोग्राम- मुलाकात, अतिथि- राहुल साह व अनिल भंडारी(शिक्षक), वार्ताकार- भूपेन सिंह,
- वार्ता का विषय- बेसिक शिक्षा की चुनौतियां
- प्रोग्राम- यायावरों की दुनिया, अतिथि- गौरव नौरियाल (पत्रकार व घुमक्कड़), वार्ताकार- सुनीता भास्कर, वार्ता का विषय- राज्य का विकास दिशा व दशा
- प्रोग्राम- कविता संसार, अतिथि- कुमांऊनी कवि, वार्ताकार- सुनीता भास्कर,
- वार्ता का विषय- चकबंदी गीतों पर काव्य पाठ
- प्रोग्राम- मुलाकात, अतिथि- नवीन जोशी (शिक्षक, कवि), वार्ताकार- सुनीता भास्कर,
- वार्ता का विषय- कुमाऊंनी कविताओं पर बातचीत
- प्रोग्राम- बच्चों की दुनिया, अतिथि- रेडियो क्लब वीयरशिबा स्कूल के बच्चे, वार्ताकार- भूपेन सिंह, वार्ता का विषय- बच्चों के शौक व सपने

- प्रोग्राम- बच्चों की दुनिया, अतिथि- रेडियो क्लब वीयरशिबा स्कूल के बच्चे, वार्ताकार- भूपेन सिंह, वार्ता का विषय- बच्चों के शौक व सपने
- प्रोग्राम- बच्चों की दुनिया, अतिथि- रेडियो क्लब वीयरशिबा स्कूल के बच्चे, वार्ताकार- विनीता पाठक, वार्ता का विषय- बच्चों के शौक व सपने
- प्रोग्राम- बच्चों की दुनिया, अतिथि- रेडियो क्लब वीयरशिबा स्कूल के बच्चे,
- वार्ता का विषय- समानता के अधिकार पर चर्चा
- पर्यावरणविद अनुपम मिश्र को श्रद्वांजलि कार्यक्रम

(हैलो हल्द्वानी से सम्बन्धित कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। संलग्नक- क)

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय के ग्रीष्मकालीन सत्र 2018–19 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Book Distribution Status Current Session (2018-19-Summer)

Total Students	45187
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	3552
12 Roorkee	1706
14 Pauri	724
15 Uttar Kashi	719
16 Haldwani	5423
17 Ranikhet	3850
18 Pithoragarh	862
19 Bageshwar	1405
Books Packed/Dispatched For	18241

डिजिटल साक्षरता हेतु विश्वविद्यालय का योगदान

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर (CEMCA), नई दिल्ली के सहयोग से उच्च शिक्षा की चुनौतियों का समाधान करने एवं सतत विकास के लिए आईसीटी के माध्यम से "एकीकृत मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल)" नामक एक 3 साल की परियोजना चला रहा है।

2017-18 में निम्नलिखित पाठ्यक्रम विकसित किए गए थे। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले इन मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम में नामांकित सभी शिक्षार्थियों की संख्या का उल्लेख पाठ्यक्रम नाम के साथ किया गया है।

a. Introduction to Information Technology- 1864 learners
b. Tools for Office Automation- 582+ 433=1015 learners
c. Introduction to DTP- 458 learners
d. Fundamentals of Information Security- 556 learners
e. Cyber Security Techniques- 509 learners
f. Cyber Attacks and Counter Measures User Perspective- 193 learners
g. Information System- 258 learners

Total Enrollments: 4853

वर्तमान वर्ष (2018-19) में निम्नलिखित कार्यक्रमों को तैयार किया गया:

a. Programming in C
b. Introduction to Networking and Web Programming
c. Database Management System
d. Introduction to Yog

निम्नलिखित विशेषज्ञों की सेवाओं का उपयोग सामग्री विकास और वीडियो व्याख्यान की रिकॉर्डिंग के लिए किया गया था:

a. Er. Darpan Anand- Anand Engineering College, Agra
b. Er. Jayash Sharma - Anand Engineering College, Agra
c. Dr. Jeetendra Pande- Uttarakhand Open University, Haldwani
d. Dr. Mukesh Sarashwar- JPIT, Noida
e. Dr. Mukesh Joshi- Amrapali Institute of Management and Computer Applications, Haldwani

f. Dr. Nitin Deepak- Amrapali Institute of Management and Computer Applications, Haldwani

कार्यक्रम उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के elearning पोर्टल elearning.uou.ac.in पर उपलब्ध हैं और वीडियो व्याख्यान UOULIVE नाम से विश्वविद्यालय के Youtube चैनल में भी उपलब्ध हैं। अब तक 27 वीडियो व्याख्यान रिकॉर्ड किए गए और अपलोड किए गए हैं और 12 मॉड्यूल वाले कोर्स elearning पोर्टल में उपलब्ध है। अतिरिक्त व्याख्यान और अध्ययन सामग्री विकसित की जा रही है और फरवरी, 2019 के पहले सप्ताह तक तैयार हो जाएगी।

अकादमिक गतिविधियॉ

- डॉ0 दिनेश कुमार, सहायक प्रध्यापक, शिक्षाशास्त्र द्वारा दिनांक 03/12/2018 से 22/12/2018 तक जामिया मीलियां इस्लामिया, नई दिल्ली में Refresher Course एवं अध्यापक शिक्षा में प्रतिभाग किया गया।

अन्य गतिविधियॉ

माह दिसम्बर, 2018 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त शिक्षकों द्वारा मोडरेशन कार्य, परीक्षा, ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/ संशोधन, अध्ययन सामग्री/ पुस्तकों की संचरना/ प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किए गये।

(विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है- ख)